सुपर कहानियाँ

(भाग 1)

अद्भुत पौधा ◦ रेफान परग्रही
ढोंगी भगत

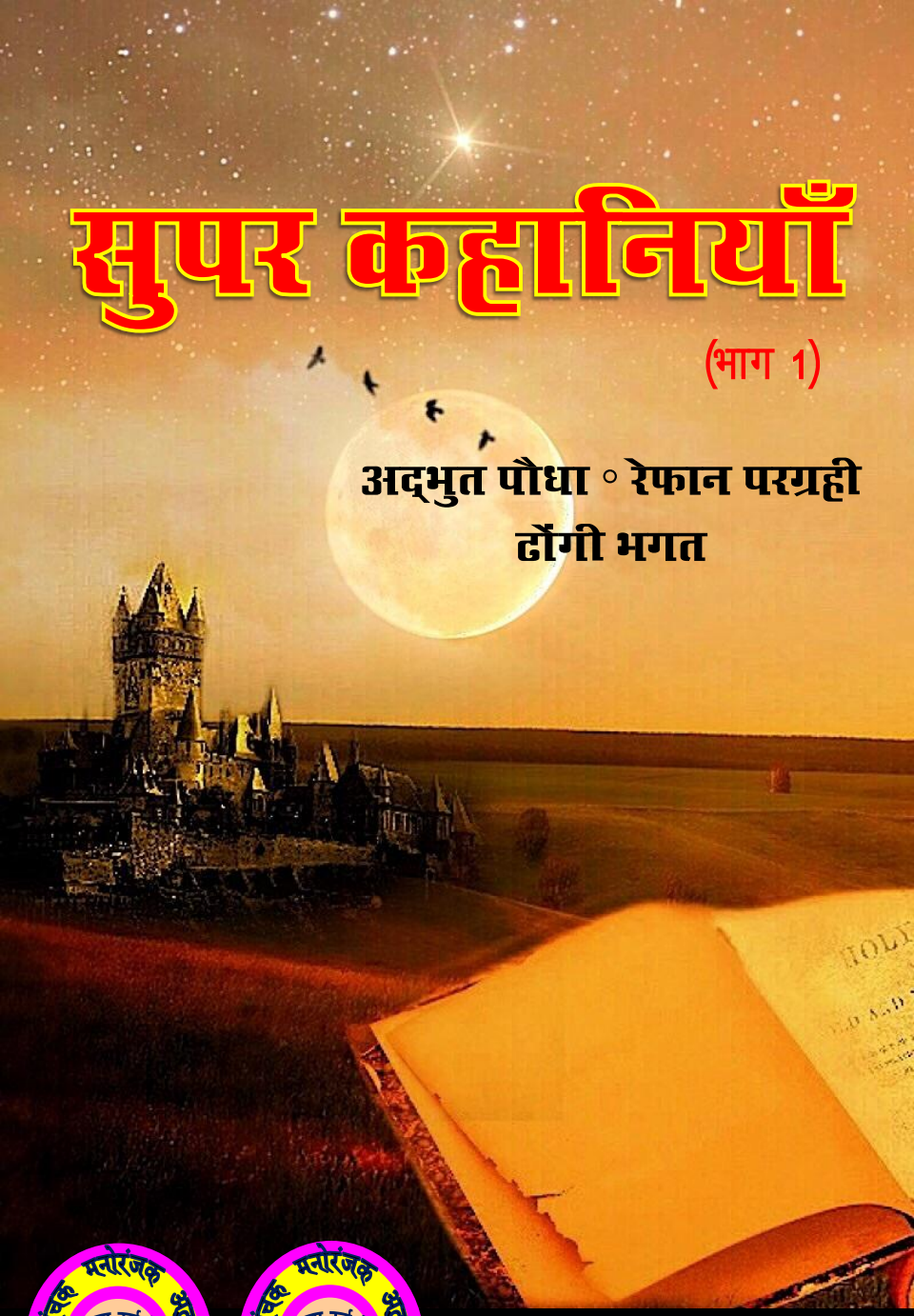

- धीरज देवांगन

सुपर कहानियाँ

Publishing-in-support-of,

EDUCREATION PUBLISHING

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.educreation.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-85247-11-8
Price: ₹145.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Educreation.

Printed in India

सुपर कहानियाँ

(भाग 1)

अदभुत पौधा ◦ रेफान परग्रही ◦ ढोंगी भगत

धीरज देवांगन

EDUCREATION PUBLISHING
(Since 2011)
www.educreation.in

Sample copy. Not for distribution.

अधिसूचना

यह पुस्तक आपको इतनी मजेदार और रोमांचक लगनी चाहिए कि, आप इन्हें अपने दुसरे दोस्तों, रिलेटिव इत्यादि को जरुर बताकर उनका भी मनोरंजन करना चाहेंगे।

मुझे पूरा विश्वास है आप ऐसा ही करेंगे।

तभी मेरी लेखनी को मैं सफल मानूंगा।

– यही लेखक की कल्पना है।

Sample copy. Not for distribution.

थोड़े समय में, और फास्ट मनोरंजन के लिए, लेखक धीरज देवांगन ने सुपर–कहानियां लिखी हैं। हर कहानी एक लघु उपन्यास की तरह ही है जो आपके लिए प्रस्तुत है;

लंबे समय के मनोरंजन के लिए लेखक धीरज देवांगन के द्वारा रचित उपन्यास भी लिखे गये हैं एवं विशेष तरह के रोमांचक मनोरंजन के लिए गेम–बुक भी।

धीरज देवांगन
(मूल परि कल्पना–स्टोरी राइटर/लेखक)
ई–मेल– dheerajdewangan4@gmail.com
वार्ड/हाउस नं. 20/160, निर्माण हाऊस,
कोष्टापारा, पैलेस रोड, रायगढ़ (छ.ग.) 496001

Sample copy. Not for distribution.

लेखक की अन्य मनोरंजक और रोमांचक रचनाओं के लिए
यहां क्लिक/लाग–इन करें :–
www.educreation.in/store

अजुबा–वर्ल्ड की पुस्तकें आपको
Amazon और Flipkart
में भी मिलेंगी।

अजुबा–वर्ल्ड, मनोरंजन और रोमांच की अनोखी दुनिया
में घुमने/फ्री–वेबसाइट देखने के लिए
यहां क्लिक/लाग–इन करें :–
www.ajubaworld.com

Sample copy. Not for distribution.

लेखक के बारे में

नाम– धीरज देवांगन
पिता का नाम– स्व. श्री मनमोहन देवांगन
माता का नाम– स्व. श्रीमती शकुंतला देवी

शिक्षा– सिविल इंजीनियरींग डिप्लोमा,
वास्तु, स्थापत्य वेद अध्ययन कोर्स

विशेष– उपन्यास सहित सभी विधाओं में लेखन, खेल–रचना या गेम क्रिएटर

लक्ष्य

हर उम्र वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन और रोमांच की रचना। लेखक का यह मानना है कि उपरोक्त सभी मनोरंजन और रोमांच का आनंद बच्चे, युवा, पुरा परिवार एवं वरिष्ठ जन, सभी को लेना चाहिए एवं माइंड–फ्रेश याने दिमाग तरोताजा करना चाहिए।

जैसे पूरा परिवार या दोस्तों का ग्रुप पिकनीक पर जाता है वैसे ही सभी को ये मनोरंजन और रोमांच की पुस्तकें पढ़नी चाहिए।

लेखक की रुची जहां एक ओर साइंस फिक्शन, मैजिक फिक्शन वाले रोमांचक, चमत्कारी, अद्‌भुत, रहस्यमय और मनोरंजक उपन्यासों की रचना करने में है वहीं वे फास्ट

Sample copy. Not for distribution.

मनोरंजन के लिए सुपर कहानियां और गेम–क्रिएटर के रुप में नये–नये और अद्‌भुत, रोमांचक खेल–पुस्तक की रचना भी करते हैं। डायनासौर नेचर पार्क, खजाने के नक्शे–वास्तविक जैसे खजाने की खोज, भुतहा गेस्ट हाउस इनमे से प्रमुख बुक–गेम हैं।

Sample copy. Not for distribution.

प्रस्तावना

अजूबा वर्ल्ड कल्पनाओं का अनोखा संसार है। इसकी सभी कहानियाँ मनोरंजन के उद्देश्य से लिखी गई है। समय व्यतीत करने के साथ दिमाग को तरोताजा करती बहुत ही ज्यादा मनोरंजक हैं ये अजूबा वर्ल्ड की ये सभी कहानियाँ। महानायकों की कहानियां मनोरंजन और रोमांच देने के साथ–साथ हमें हर स्थिती में संघर्ष करने और कभी हार न मानने की प्रेरणा देतें हैं। शक्ति के साथ–साथ हमें बुद्धि का उपयोग करके समस्याओं का हल निकालने की भी की प्रेरणा देतें हैं, ये महानायकों की कहानियां।

महानायकों की कहानियां की तरह ही हास्यनायकों की कहानियां भी मनोरंजन करती हैं, मन को प्रसन्न करती हैं। इसमें हास्यनायक कुछ अजीब हरकत करते हैं ताकि पाठकों को मजा आये। वे भी बुद्धिमान नायक होते हैं, और हर समस्या का हल खेल–खेल में और हंसी–मजाक में निकालते हैं।

– धीरज देवांगन

Sample copy. Not for distribution.

Sample copy. Not for distribution.

अनुक्रम

कहानी	पृष्ठ
क्रिस्टल मैन और अद्‌भुत पौधा	01
क्रिस्टल मैन और रेफान परग्रही (अजूबा–वर्ल्ड का सुपरहीरो–क्रिस्टल मैन)	31
सखाराम और ढोंगी भगत (अजूबा–वर्ल्ड का *हास्यनायक* – सखाराम)	55

Sample copy. Not for distribution.

Sample copy. Not for distribution.

क्रिस्टल मैन और अद्भुत पौधा

आपने बहुत सारे सुपरहीरो या महानायकों के बारे में सुना होगा। पुस्तकों में उनकी कहानियां पढ़ी होंगी, टी.वी. तथा फिल्मों में उनको देखा होगा।

यह कहानी एक ऐसी कहानी है जो, सुपरहीरों का बनना बताती है कि, कैसे एक कालेज पढ़ा, साधारण युवा सुपरहीरो बनता है, और साथ में उसके कारनामें भी।

Sample copy. Not for distribution.

अद्‌भुत पौधा

वह था कृष्णापुर गांव। सड़क पर लगा हुआ 'कृष्णापुर–0' का मील का पत्थर साफ दिखाई दे रहा था। गांव के छोटे बड़े घर दूर से ही स्पष्ट दिख रहे थे।

कुछ नए पक्के के ढलाई वाले घर, गांव के बहुत सारी खपरैल वाली घरों के बीच–बीच में बने हुए थे।

किंतु आज गांव के अंदर की सड़कें, रास्ते सभी सुनसान थी।

सब तरफ सन्नाटा पसरा हुआ था।

गांव से बाहर के खेत सूखे दिखाई पड़ रहे थे। जहां फसले लहलहानी चाहिए वहां बंजर और फटी हुई जमीने दिखाई पड़ रही थी। सभी खेतों का ऐसा ही हाल था।

एक बहुत बड़े खेत की बंजर पड़ी जमीन के काफी अंदर एक कैम्प लगा हुआ। उसके सामने एक सरकारी जीप खड़ी थी। कैम्प के बाहर, तम्बू के ऊपर एक बैनर लगा हुआ था, जिसमें लिखा था–

'आपातकालीन प्रयोगशाला–अकाल एवं सूखा परीक्षण, ग्राम–कृष्णापुर।'

कैम्प के बाहर सन्नाटा छाया हुआ था कि तभी एक लंबा–तगड़ा नौजवान उस ओर बढ़ने लगा।

ऊँचे कद की वजह से उस नौजवान की चाल शानदार थी।

शरीर बलिष्ठ और चेहरा भी आकर्षक था, उसका पहनावा था जींस और टी–शर्ट, वह उस कैम्प के अंदर गया।

अंदर पावर चश्मा लगाए हुए एक डॉक्टर के जैसे सफेद कोट पहने, अधेड़ व्यक्ति टेबल पर– दो कम्प्यूटरों के सामने बैठा की–बोर्ड पर कुछ काम कर रहा था। उनके टेबल पर फाइलों के ढेर के उपर क्रिस्टल के चमकते गोले का पेपरवेट रखा था। उस नौजावान ने आते ही सबसे पहले उन क्रिस्टल जैसे चमकते गोले को देखा, फिर कहा –

''नमस्कार सर। मेरा नाम जय है। मैं इसी गांव कृष्णापुर का रहने वाला हुँ। मैंने भी बॉटनी यानि वनस्पति–विज्ञान की पढ़ाई की है और मैं अपने गांव के इस सूखे से बेहद परेशान और दुखी हुँ।''

''हम सब परेशान है।''

–बोले डॉक्टर साहब–

''मैं यहां का कृषि वैज्ञानिक हुँ और सरकार ने कृष्णापुर के अकाल की समस्या का परीक्षण करने के लिये मुझे यहां भेजा है।''

''अब तक आपने क्या खोज निकाला है यहां की भूमि का परीक्षण करके ?''

–जय ने पूछा।

''जो बात सामने आई है वह एकदम चौंकाने वाली है।''

–कृषि वैज्ञानिक ने अपने स्थान से उठकर चलते हुए कहा–

''मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि क्या कभी ऐसा भी हो सकता है ?''

जय के बार–बार पूछने पर अंततः वैज्ञानिक ने बताया–

Sample copy. Not for distribution.

''जय, यहां की जमीन में हजारों बरस पहले, अंतरिक्ष के किसी दूसरे ग्रह से कोइ अंतरिक्ष यान आया होगा जिसके साथ उस ग्रह की जमीन के कुछ तत्व आए होंगे जो कि हमारी इस धरती की मिट्टी में मिल गए होंगे।''

''लेकिन इससे कृष्णापुर के सूखे का क्या संबंध हैं''–जय बोला।

''संबंध है।''

–कृषि वैज्ञानिक अपना चश्मा साफ करके फिर से पहनते हुए बोले–

''हुआ यह होगा कि उस अंतरिक्ष यान के साथ कुछ ऐसे तत्व उस ग्रह से आए जिसकी वजह से यहां कृष्णापुर गांव की मिट्टी का उपजाऊपन समाप्त हो गया और यह हजार वर्ष के दौरान हुआ, यानि वह तत्व अत्यंत धीमी रफ्तार से एक हजार साल में इतना बढ़ गया कि उसने इस पूरे इलाके की मिट्टी को बंजर बना दिया।''

''क्या, मिट्टी को दोबारा उपजाऊ नहीं बनाया जा सकता?''

–जय ने पूछा।

इस बात पर थोड़ा उखड़ते हुए बोले कृषि वैज्ञानिक–

''आखिर तुम्हें ही इस बात की इतनी फिक्र क्यों हो रही है? क्यों तुम यह सब जानना चाहते हो? क्या करना चाहते हो तुम। यह काम सरकार का है, मुझे सरकार को रिपार्ट देनी है?''

जय बात को सम्हाल्ते हुए धीरे से बोला–

''कॉलेज के जमाने से ही लोगों की मदद करते आ रहा हुँ मैं। दूसरों को तकलीफ में नहीं देख सकता मैं। फिर यह तो मेरे खुद के गांव की बात है। यदि गांववालों को अपनी जमीन छोड़नी पड़ी, दूसरी जगह जाना पड़ा तो मेरे पौरूष को धिक्कार होगा।''

जय की बात सुनकर कृषि वैज्ञानिक भी थोड़ा नम्र पड़ते हुए बोले–

''यह बात अन–ऑफिसियल है। फिर भी मैं तुम्हें बता रहा हुँ। यदि परग्रही तत्व से नष्ट हुए मिट्टी की उर्वरा शक्ति वापस लानी है तो तुम्हें 'उड़न–छू' नाम का अद्भुत पौधा लाकर उसे यहां की जमीन पर बोना होगा। जमीन पर बोते ही वह पौधा कुछ ही दिनों में पूरे जमीन पर फैल जाएगा और धरती से उस परग्रही तत्व को खींचकर आकाश में उत्सर्जित कर देगा। इस प्रकार मिट्टी फिर से उपजाऊ हो जाएगी।''

''किंतु वह पौधा अद्भूत पौधा 'उड़न–छू' मिलेगा कहां?''

–जय जोश में आकर पूछता है।

''यह बात भी अन–ऑफिसियल है। यह पौधा विज्ञान जगत में मान्य नहीं है, उस पौधे को जादूगर लोग जादू–विद्या में प्रयोग करते है।''

–बोले कृषि वैज्ञानिक–

''मैं ऐसे ही एक जादूगर धूतनाथ जी को जानता हुँ। जब मैं रिसर्च के दौरान घने जंगलों में गया था तो उनसे मिला था। यदि तुम उसके पास किसी तरह पहुँच जाओ और उनसे पूछकर वह पौधा 'उड़न–छू' ले आओ तो इससे हम,

Sample copy. Not for distribution.

कृष्णापुर गांव की सारी मिट्टी को दोबारा उपजाऊ बना सकते हैं।''

''ठीक है।''

जय पूरे आत्म–विश्वास के साथ बोला–

''मैं जल्द ही धूतनाथ जी से मिलकर 'उड़न–छु' पौधा लेकर आता हुँ।''

तब कृषि वैज्ञानिक ने एक कागज में जय को उस जादूगर धूतनाथ का पता लिखकर दिया। उस कागज को लेकर बाहर आते जय को बाहर कई सारे फटे–कपड़े पहने गांव के ही गरीब बच्चे रोते हुए मिले। उनके साथ जय का दोस्त भी था, नाम था चकरम।

''अरे चक्रम। तुम इन सब बच्चों के साथ यहां कैसे आए ?''

–जय ने पूछा।

जवाब में एक बच्चा रोते–रोते बोला–

''हम यह गांव छोड़कर नहीं जाएंगे। हम अपना खेत छोड़कर कहीं जाएंगे।''

एक छोटी बच्ची रोते हुए बोली–

''हां जय चाचा। आप हमेशा हमारी मदद करते हैं। कुछ कीजिए ना।''

जय ने तब उस छोटी बच्ची को गोद में उठा लिया और बोला–

''चकरम। इन बच्चों को घर ले जाओ। मुझे कृषि वैज्ञानिक जी से इस समस्या का उपाए मिल गया है। मैं जल्दी से जाता हुँ और वह उपाए लेकर वापस आता हुँ।''

जादूगर धूतनाथ को पते में लिखे अनुसार खोजते हुए कई दिनों बाद एक गांव के खण्डहर जैसी जगह में जय पहुंच गया।

उस खण्डहर जैसी जगह में, जहां जादूगर धूतनाथ रहते थे, जय पहुँचा। जय ने सारी बाते धूतनाथ को बताई तब धूतनाथ ने एक पतला लकड़ी का दण्ड जय को देते हुए कहा–

''वह 'उड़न–छू' के नाम का जादुई माने जाना वाला, पौधा दक्षिण दिशा में पड़ने वाले घने जंगल के बीचों–बीच स्थित एक पुराने खण्डहर के अंदर तहखाने में बने एक कुंड में मिलेगा। कहते हैं उसकी रक्षा जवाहर नाम का एक हजार वर्ष की आयु वाला कोई दूसरे ग्रह से आया प्राणी करता है। वह भी एक हजार वर्ष पहले उसी अंतरिक्ष यान में बैठकर आया होगा, तुम्हारी बात से ऐसा समझा जा सकता है। वह खुद बड़ा खतरनाक है और उसका एक बड़ा खतरनाक सेवक भी है। फिर भी यह जादुई दण्ड तुम्हारी थोड़ी–बहुत मदद करेगा क्यों कि इसमें कुछ जादुई शक्तियाँ है। तुम मानवता की भलाई के लिए जा रहे हो, एक भले इंसान हो इसलिए मैं तुम्हे मार्ग दिखा रहा हुँ। मैं जादूगर होकर भी कुछ नहीं कर सकता क्योंकि उसके पास उसके ग्रह की अत्याधुनिक वैज्ञानिक शक्तियां है।''

सारी बात सुन जादूगर धूतनाथ को प्रणाम करके जय, भयानक जंगल और खण्डहर की ओर निकल गया।

लंबी यात्रा कर जय भयानक जंगल के अदंर स्थित उस खण्डहर में पहुँच गया और फिर खण्डहर के अंदर बने एक गुप्त द्वार से तहखाने में।

Sample copy. Not for distribution.

तहखाने की एक–एक सीढ़ियों को उतरते–उतरते जय का दिल कांप रहा था। सीढ़ियाँ फिसलन भरी थी अतः थोड़ा रूक–रूक कर उसने अपने कदमों को सीढ़ियो में रखना शुरू किया।

उस पूरे तहखाने में मनहुस सन्नाटा व्याप्त था। घनघोर सन्नाटा जहाँ एक सुई के गिरने की आवाज भी सुनाई दे दे। चारो ओर पत्थरों के बड़े–बड़े स्तंभ खड़े थे और उन स्तंभों के बीच एक कुंड जैसा अब साफ दिखाई देने लगा था। जय जैसे–जैसे आगे बढ़ता जा रहा था, कुंड की बनावट साफ होती जा रही थी।

एक–एक खंभों के पीछे छुपते हुए जय अंतिम स्तंभ (खंभा) के पास आ गया। जहाँ से, वह बड़ा और बहुत बड़ा कुआं की तरह दीवार वाला कुंड, साफ दिखाई दे रहा था। यद्यपि रात का अंधेरा था लेकिन न जाने कहां से आती रोशनी उस कुंड के पानी पर पड़ रही थी और उस पर तैरते लंबे–लंबे पौधे सरलता से देखे जा सकते थे।

जय उस आखिरी खंभे के पीछे छुपकर उस बड़े और गोलाकार कुंड का मुआयना कर रहा था और वह समझ गया था कि कुंड के अंदर पानी में उगे पौधे ही 'उड़न–छू' नाम के जादुई पौधे है, जिन्हें उसे प्राप्त करना था, जिनमें जमीन से परग्रही तत्व को खींचकर आसमान में उत्सर्जित करने की वैज्ञानिक शक्ति थी।

जय ने चारो ओर नजरे घुमाई।

चारो ओर भयावह सन्नाटा था।

पत्थर के खंभे–ही–खंभे दिखाई पड़ रहे थे और खंभों के पार तहखाने की दीवार थी जिसके पत्थर काले पड़ गए थे।

जय वहां से हटकर उस कुएँ रूपी कुंड के पास आया।

कमर जितनी ऊँची उसकी पत्थर की दीवारों से टिककर, जय अंदर पानी में नजरे गड़ाकर झांकने लगा।

कुंड की बीचों बीच पानी में तैरते हुए वे पौधे साफ दिखाई दे रहे थे और उनका हल्का–हल्का नीला रंग, हल्के प्रकाश में दिखाई दे रहा था।

जय ने अपना दण्ड पानी के अंदर डालने के लिए कुंड के अंदर की ओर बढ़ाया, लेकिन कुंड का पानी काफी नीचे था इसलिए उसका दण्ड पानी तक नहीं पहुँचा।

जय पानी को हिलाकर देखना चाहता था कि, वह पौधा जो इस पर तैर रहा है, वह तैर कर किनारे में आ जाए और जय उसे पकड़कर देख सके कि वह 'उड़न–छू' पौधा ही है या उस कुण्ड में और ही कोई दूसरी ही चीज उगी हुई है।

जय ने कुण्ड के अंदर, अपना जोर लगाकर हाथ और आगे बढ़ाया।

लेकिन जय का हाथ और उसमें पकड़ा दण्ड पानी तक नहीं पहुँचा।

जय ने तब एड़ी उठाकर और पूरी जोर लगाकर हाथ को कुण्ड के अंदर डाला, तब लगने लगा जैसे वह दण्ड पानी तक पहुँच जाएगा। जय ने और जोर लगाकर हाथ आगे बढ़ाया।

Sample copy. Not for distribution.

Get Complete Book
At Educreation Store
www.educreation.in

अजूबा वर्ल्ड कल्पनाओं का अनोखा संसार है। इसकी सभी कहानियाँ मनोरंजन के उद्देश्य से लिखी गई है। समय व्यतीत करने के साथ दिमाग को तरोताज़ा करती बहुत ही ज़्यादा मनोरंजक हैं ये अजूबा वर्ल्ड की ये सभी कहानियाँ। महानायकों की कहानियां मनोरंजन और रोमांच देने के साथ–साथ हमें हर स्थिति में संघर्ष करने और कभी हार न मानने की प्रेरणा देते हैं। शक्ति के साथ–साथ हमें बुद्धि का उपयोग करके समस्याओं का हल निकालने की भी प्रेरणा देती हैं, ये महानायकों की कहानियाँ।

महानायकों की कहानियों की तरह ही हास्यनायकों की कहानियाँ भी मनोरंजन करती हैं, मन को प्रसन्न करती हैं। इसमें हास्यनायक कुछ अजीब हरकत करते हैं ताकि, पाठकों को मजा आये। वे भी बुद्धिमान नायक होते हैं और हर समस्या का हल खेल–खेल और हंसी–मजाक में निकालते हैं।

धीरज देवांगन (लेखक)

Also available as an eBook

FICTION

ISBN 978-93-85247-11-8

9 789385 247118 >

EDUCREATION

PUBLISHING (Delhi)

www.educreation.in